वन उत्पादकता संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन - 2016

संघ सरकार की राजभाषा निति के संबंध में संवैधानिक उद्देश्यों की पूर्ति को प्रमुखता देते हुए राजभाषा हिन्दी के समग्र प्रचार - प्रसार हेतु प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान में दिनांक 01 सितम्बर से 15 सितम्बर, 2016 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया ।

हिन्दी पखवाड़ा के दौरान संस्थान में प्रशासनिक एवं अनुसंधान संबंधित सभी कार्यकलाप हिन्दी में किए गए एवं इस प्रयास में संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता रही । इस दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों एवं कार्यालय के अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों की एक औपचारिक बैठक दिनांक 15 सितम्बर, 2016 को करायी गयी । बैठक की अध्यक्षता, मुख्य अतिथि डॉ. शरद तिवारी, वैज्ञानिक - एफ, वन उत्पादकता संस्थान, राँची द्वारा की गई । बैठक में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी तथा शोधार्थीगण उपस्थित थे । श्रीमती रूबी एस. कुजूर, वैज्ञानिक, सी एवं हिन्दी अधिकारी, व.उ.सं., राँची ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि हिन्दी हमारी राजभाषा है जो सहज, सरल एवं सुगाही है अत: हमें अपने कार्यों में हिन्दी का बहुल प्रयोग करना चाहिए । इन्होंने यह भी कहा कि हिन्दी एक व्यवहारिक भाषा है और हमारा कर्तव्य है कि हम इसकी व्यवहारिकता को धारा प्रवाह बनाए रखें। इन्होंने हिंदी के प्रचार - प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की हिन्दी में रूची तथा संबंधित कार्यक्रमों में भागीदारी की सराहना की ।

हिन्दी अधिकारी ने उपस्थित सभासदों को हिंदी से संबंधित अपने विचार तथा सुझाव प्रस्तुत करने का आग्रह किया । डॉ. संजय सिंह, वैज्ञानिक - 'ई', व.उ.सं., राँची ने कहा कि हिन्दी जन साधारण की भाषा है और हम सभी अपने - अपने स्तर पर इसके प्रचार - प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत हैं । इन्होंने यह सुझाव देते हुए कहा कि जो निजी आवेदन कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लिखे एवं जमा किए जाते हैं वे हिन्दी में लिखे जा सकते हैं । डॉ. सिंह ने स्वलिखित हिन्दी कविता से सभा को मंत्रमुग्ध किया | इसी क्रम में डॉ. अनिमेष सिन्हा, वैज्ञानिक - 'ई', श्री संजीव कुमार, वैज्ञानिक - 'डी', श्री एस. सी. मुखर्जी, सहायक एवं श्री कन्हाई लाल डे , अनुसंधान सहायक-॥ ने भी अपने- अपने विचार तथा सुझाव सभा के समक्ष रखे ।

हिन्दी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगितायों का आयोजन किया गया । इसी क्रम में दिनांक 07 सितम्बर, 2016 को "बढ़ता प्रदूषण, गंभीर बाढ़ एवं भारत का पर्यावरण" विषय पर निबंध लेखन और नोटिंग एवं ड्राफटिंग प्रतियोगिता तथा दिनांक 08 सितम्बर, 2016 को Elocution प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । सभी प्रतियोगिताओं में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने बढ़ -चढ़ कर हिस्सा लिया ।

निबंध लेखन के विजेता रहे :- श्री विभव कुमार ठाकुर, प्रथम
श्री जीशान दानिश, द्वितीय
सुश्री नुजहत बानो, तृतीय

नोटिंग एवं ड्राफटिंग प्रतियोगिता के विजेता रहे :- श्री करम सिंह मुंडा, प्रथम
श्री पंकज कुमार राय, द्वितीय
श्री विभव कुमार ठाकुर एवं श्री जीशान दानिश, तृतीय

Elocution प्रतियोगिता के विजेता रहे :- श्री करम सिंह मुंडा, प्रथम
श्री जीशान दानिश, द्वितीय
श्री पंकज कुमार राय, तृतीय

महानिदेशक, भारतीय वानिकी एवं शिक्षा परिषद द्वारा हिन्दी भाषा में कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करने हेतु उनके द्वारा हिन्दी में किये गए वर्षवार कार्यों के आधार पर हिन्दी पखवाड़ा के दौरान उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिए जाने के निर्णयानुसार संस्थान के श्री आशुतोष कुमार पाण्डेय, सहायक एवं श्री एस. एन. बैध, अनुसंधान सहायक-I का चयन कर पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।

उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. शरद तिवारी, वैज्ञानिक - एफ, वन उत्पादकता संस्थान, राँची ने अपने संबोधन में हिन्दी में हो रही गतिविधियों एवं कार्यकलापों की सराहना की और कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी के प्रचार - प्रसार में उनकी सक्रिय भागीदारी एवं योगदान के लिए बधाई दी । उन्होने हिन्दी की सहजता पर ज़ोर देते हुए कहा कि हिन्दी भाषा में दूसरे भाषाओं को समाहित करने की क्षमता है एवं शुद्ध हिन्दी का निरंतर प्रयोग संभव नहीं है | इसलिए हिन्दी की बहुलता के साथ दूसरे भाषाओं का ज्ञान एवं प्रयोग सराहनीय है | अंत में श्रीमती रूबी सुसाना कुजूर, वैज्ञानिक - 'सी' एवं हिन्दी अधिकारी , व.उ.सं., राँची ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए हिन्दी के प्रति लगनशीलता बनाये रखने पर जोर दिया तथा सभा की समाप्त की गयी ।

निबंध लेखन और नोटिंग एवं ड्राफटिंग प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी

Elocution प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी

विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल

पखवाड़ा की औपचारिक बैठक में सम्मिलित मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथिगण

पखवाड़ा की बैठक के दौरान उपस्थित सभासदों द्वारा हिंदी से संबंधित विचार तथा सुझाव

पखवाड़ा की बैठक के दौरान मुख्य अतिथि का सम्बोधन

विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कृत होते विजेता

— विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कृत होते विजेता